माह मार्च 2017 में सम्पन्न विस्तार गतिविधियों का विवरण

1. कॉलेज ऑफ फोरेस्ट्री, नवसारी एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, नवसारी गुजरात के विद्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण दिनांक 1.3.2017

दिनांक 1.3.2017 को कॉलेज ऑफ फोरेस्ट्री, नवसारी एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, नवसारी गुजरात के बी.एस॰सी॰ फोरेस्ट्री के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के दल ने डॉ॰ एम. एस. संकानूर (असिस्टेंट प्रोफेसर) तथा डॉ. सतीश कुमार सिन्हा (असिस्टेंट प्रोफेसर) के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण कर शोध गतिविधियों की जानकारी ली | संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) डॉ॰ टी॰एस॰ राठौड़ ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी विस्तार से विद्यार्थियों को दी | इसके बाद विद्यार्थियों के इस दल ने पारिस्थितिकी प्रभाग, वन संरक्षण प्रभाग, अकाष्ठ वनोपज प्रभाग तथा वन संवर्धन प्रभाग की प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर शोध संबंधी गतिविधियों का अवलोकन किया | प्रयोगशालाओं के भ्रमण के दौरान विभिन्न शोधकर्त्ताओ ने शोध गतिविधियों को विद्ययाथियों से सांझा किया |

भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एंव निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित विभिन्न शोध गतिविधियों तथा तकनीक से संबंधित सूचनाओं तथा सामग्री का अवलोकन किया | कृषि वानिकी एव विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने विद्यार्थियों को अवक्रमित पहाड़ियो के पुन:स्थापन (Restoration of degraded hills), टिब्बा स्थिरीकरण (Sand Dune Stabilization), जल प्लावित भूमि का पुन:स्थापन (Restoration of Water Logged Areas), कृषि वानिकी एव चारागाह मॉडल (Agroforestry & Silvipasture Models) तथा अन्य विषयों से संबंधित जानकारी करायी | श्री चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वृक्षों तथा पर्यावरण का महत्व बताया तथा पॉलीथीन के दुष्प्रभाव की चर्चा की | भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रयोगिक एवं उच्च तकनीक पौधशाला का भी भ्रमण कर पौधशाला गतिविधियों का अवलोकन किया। भ्रमण कार्यक्रम में श्री तेजा राम का सहयोग रहा |

2. भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने दिनांक 2/3/2017 को किया शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

भारतीय वन सेवा के 2016 बैच के 44 प्रशिक्षु अधिकारियों के दल ने फेकल्टी श्री पी॰विश्व कानन, भा॰व॰से॰ के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का दिनांक 2/3/2017 को भ्रमण किया | निदेशक श्री एन॰के॰वासु, भा॰व॰से॰ ने दल का संस्थान में स्वागत करते हुए अपने संबोधन में प्रशिक्षु अधिकारियों से विषय-विशेष में विशेषज्ञता हासिल करने का आहवान किया | उन्होने प्रशिक्षु अधिकारियों से सेवा के शुरूआती दिनों से ही कठिन परिश्रम के द्वारा निपुणता(expertise) विकसित करने का आहवान किया | श्री वासु ने काजीरंगा के अपने अनुभव सांझा करते हुए वानिकी में आधुनिक विधियों (modern tools) का कैसे उपयोग हो सकता हैं, इसकी जानकारी दी | संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) डॉ॰ टी॰एस॰ राठौड़ ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी विस्तार से दी, जिनमें अनुसंधान का फोकस (Research Focus), कृषि वानिकी, कृषि, चारागाह एवं सिल्वी-पाश्चर मॉडल (Agri, silvi & silvipasture models), सतही वनस्पति के उपयोग से टिब्बा स्थिरीकरण (Sand Dune Stabilization using Surface Vegetation),क्षारीय भूमि का पुनर्वासन (Rehabilitation of Salt Lands), पादप स्थापन एवं वृद्धि के लिए भू एव जल संरक्षण (Soil & Water Conservation for Plant Establishment & Growth) अवक्रमित अरावली पहाड़ियो के पुन: स्थापन (Restoration of degraded Aravali hills) कतिपय वृक्ष प्रजातियों की जैव जल निकास क्षमता (Bio Drainage Capacity of some tree species), जल प्लावित क्षेत्रों का पुनर्वासन (Rehabilitation of water logged areas) भू उपयोग इत्यादि विषय भी सम्मिलित थे |प्रश्नोत्तर के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया।

इसके बाद प्रशिक्षु अधिकारियों ने विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर संस्थान की शोध गतिविधियों एवं तकनीक से संबन्धित सूचनाओं इत्यादि का अवलोकन किया। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने प्रशिक्षु अधिकारियों को वहाँ प्रदर्शित विभिन्न सूचनाओं से संबंधित जानकारी उपलब्ध करायी।

भ्रमण कार्यक्रम में श्री रतना राम लोहरा, अनुसंधान सहायक - प्रथम एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

3. कृषि प्रोद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) चित्तौड़गढ़ के कृषक दल का दिनांक 2.3.2017 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण

कृषि प्रोद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) चित्तौड़गढ़ के अन्तः राज्यीय कृषक भ्रमण दल के 45 सदस्यीय दल ने दिनांक 2.3.2017 को भ्रमण दल प्रभारी श्री चाँदमल ओझा, कृषि पर्यवेक्षक नंगावली एवं श्री किशनलाल, कृषि पर्यवेक्षक भाणुजा के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया | भ्रमण का प्रारम्भ संस्थान की प्रायोगिक पौधशाला से हुआ जहां श्री शैलेंद्र सिंह, तकनीकी सहायक ने किसानों को पौधशाला संबंधी तकनीक की जानकारी कराई | इसके बाद कृषकों के दल ने संस्थान के मुख्य परिसर का भ्रमण कर विभिन्न प्रजातियों की जानकारी हासिल की |

तत्पश्चात किसानों ने संस्थान के विस्तार एंव निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित विभिन्न अनुसंधान संबंधी सूचनाओं तथा सामग्री का अवलोकन किया | यहाँ कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने किसानों को अवक्रमित पहाड़ियो के पुनर्वासन, टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन तथा कृषि वानिकी एवं चारागाह मॉडल के साथ-साथ मुख्य वृक्ष प्रजातियों से संबंधित जानकारी दी | श्री चौधरी ने " वृक्षों के महत्व एव पर्यावरण संरक्षण" पर संभाषण देते हुए किसानों को पेडों से होने वाले प्रत्यक्ष एंव अप्रत्यक्ष लाभों की जानकारी देते हुए वृक्षों का महत्व बताया तथा पॉलीथीन के दुष्प्रभाव की चर्चा की | भ्रमण कार्यक्रम में श्री तेजा राम का सहयोग रहा |

4. श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी, फतेहगढ़ साहिब, पंजाब के विद्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण दिनांक 6.3.2017

श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी, फतेहगढ़ साहिब, पंजाब के जैव प्रोधौगिकी विभाग के (Department of Biotechnology) बी.एस॰सी॰, एम॰एस॰सी॰, बीटेक, एमटेक, पी॰एच॰ड़ी॰ के 44 विद्यार्थियों के दल ने दिनांक 6 मार्च, 2017 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का अध्ययन भ्रमण कर शोध गतिविधियों की जानकारी ली | भ्रमण के प्रारम्भ में कृषि वानिकी एव विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी दी | इसके बाद विद्यार्थियों के दल ने वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन प्रभाग की प्रयोगशाला का भ्रमण किया, जहां डॉ॰ सरिता आर्या ने प्रभाग के शोध कार्यो की जानकारी विद्यार्थियों को करायी | विद्यार्थियों के दल ने परिसर में स्थित चन्दन, बादाम, खेजड़ी, कुमठ, सागवान जैसी प्रजातियों की जानकारी भी ली | इसके बाद विद्यार्थियों ने संस्थान के विस्तार एव निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं का अवलोकन किया | श्री उमाराम चौधरी ने परिसर में स्थित विभिन्न वृक्ष प्रजातियों तथा विस्तार एव निर्वचन केंद्र में प्रदर्शित सूचनाओं एव सामग्री की जानकारी विद्यार्थियों को कराई | श्री चौधरी ने विद्यार्थियों को वृक्षों के प्रत्यक्ष एंव अप्रत्यक्ष लाभों की जानकारी देते हुए वृक्षों का महत्त्व बताया तथा पर्यावरण संरक्षण का जिक्र करते हुए पॉलीथीन के दुष्प्रभाव की चर्चा की | भ्रमण कार्यक्रम में श्री तेजा राम का सहयोग रहा |

5. दिनांक 8.3.2017 को उप वन संरक्षक, वन्यजीव, उदयपुर के क्षेत्रीय वनधिकारी, सुमेरपुर से पाली जिले के किसानों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण

उप वन संरक्षक, वन्यजीव, उदयपुर के क्षेत्रीय वनधिकारी, सुमेरपुर से पाली जिले के 60 किसानों के दल ने वन धन योजना के अंतर्गत एक्सपोजर विजिट हेतु क्षेत्रीय वन अधिकारी श्री नरपत सिंह चौहान के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया | कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान तथा संस्थान की शोध गतिविधियों, तकनीक इत्यादि की जानकारी दी | श्री चौधरी ने भ्रमणकारी दल को वृक्षों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों की जानकारी देते हुए वन एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बताई तथा पॉलीथीन के दुष्प्रभाव का भी जिक्र किया | भ्रमणकारी दल ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया जहां विभिन्न शोधकर्ताओं ने उन्हें वानिकी से संबंधित शोध गतिविधियों की जानकारी दी | भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर विभिन्न पोस्टरो के माध्यम से प्रदर्शित शोध संबंधी कार्यों, तकनीकों आदि से संबंधित सूचनाओं तथा सामग्री का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की | भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रायोगिक एवं उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण किया तथा पौधशाला प्रबंधन/तकनीक तथा औषधीय जर्म-प्लाज्म बैंक का भ्रमण कर औषधीय पौधों से संबंधित जानकारी प्राप्त की | पौधशाला में श्री सादुलराम देवड़ा ने जानकारी दी |

धन धान योजना

धन धान योजना

PRODUCTS

5. कुंडल अकेडमी ऑफ डेवलपमेंट, एडमिनिस्ट्रेशन एंड मेनेजमेंट (फोरेस्ट), कुंडल, महाराष्ट्र के रेंजर प्रशिक्षणार्थियों का आफरी भ्रमण - दिनांक 9.3.2017 एवं 10.3.2017

कुंडल अकेडमी ऑफ डेवलपमेंट, एडमिनिस्ट्रेशन एंड मेनेजमेंट (फोरेस्ट), कुंडल, महाराष्ट्र के 35 रेंजर प्रशिक्षणथिर्यों ने दिनांक 9.3.2017 एवं 10.3.2017 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया | दिनांक 9/03/17 को आफरी भ्रमण के दौरान संस्थान के निदेशक श्री एन.के.वासु ने प्रशिक्षणार्थियों का आह्वान किया कि जब वे फील्ड में जावें तो अपने क्षेत्र के सम्पूर्ण भूदृश्य को अच्छी तरह से समझ लेवें, उसका वानिकी इतिहास जान लेवें, जी.पी.एस. एवं डिजिटल मेप जैसी आधुनिक तकनीकों का सहारा भी लेवें। उनहोंने कहा की जितना घूम सकें, अपने क्षेत्र में घूमें और अपने क्षेत्र को भूदृश्य के आधार पर समझ लेवें, ताकि काम करने में इन सबकी मदद मिल सके। इसके बाद प्रशिक्षणथिर्यों को डॉ. टी.एस.राठौड़, समूह समन्वयक (शोध) ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान एंव संस्थान की शोध गतिविधियों /तकनीक की जानकारी दी |

भ्रमण के प्रारंभ में इन्होंने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का अवलोकन कर वहाँ विभिन्न पोस्टरों से प्रदर्शित शोध गतिविधियों एवं तकनीक से संबंधित विभिन्न सूचनाओं तथा सामग्री की जानकारी ली | कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने भ्रमणकारी दल को विभिन्न सूचनाओं तथा सामग्री की जानकारी कराई तथा प्रशिक्षणार्थियों को वृक्षों के प्रत्यक्ष एंव परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए वन एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बताई तथा पॉलीथीन के दुष्प्रभाव का भी जिक्र किया | श्री रतनाराम लोहरा, अनुसंधान सहायक - प्रथम ने भी विभिन्न सूचनाओं की जानकारी भ्रमणकारी दल को कराई।

प्रशिक्षणार्थी दल ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण भी किया जहां विभिन्न शोधकर्ताओं ने उन्हें वानिकी विषयों से संबंधित शोध गतिविधियों की जानकारी दी |

दिनांक 10.3.2017 को भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रायोगिक एवं उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला, पौधशाला प्रबंधन और तकनीक की जानकारी ली तथा पौधशाला परिसर में औषधीय जर्म-प्लाज्म बैंक का भी अवलोकन किया | श्री उमा राम चौधरी ने भ्रमणकारी दल को पौधशाला एवं औषधीय पौधों से संबंधित जानकारी प्रदान की |

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान

6. वन्यजीव राजसमंद वनमंडल से राजसमंद, उदयपुर एवं पाली ज़िले के किसानों का आफरी भ्रमण - दिनांक 23.3.2017

वन्यजीव राजसमंद वनमंडल से " वन धन " योजना के अंतर्गत राजसमंद, उदयपुर एवं पाली ज़िले के 200 किसानों ने दिनांक 23.3.2017 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया । संस्थान के निदेशक श्री एन॰के॰वासु, भा॰व॰से॰ ने किसानों को संबोधित करते हुए उनका आहवान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण में योगदान देवें तथा और लोगों का भी सहयोग लेवें । उन्होंने कहा कि मानव को सब चीजों की जरूरत है, इस हेतु जागरूकता पैदा करनी है । श्री वासु ने जल की चर्चा करते हुए कहा कि इसका एक जल-चक्र हैं, तथा जल को बचाना है ।

कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष, श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने अपने संबोधन में किसानों को वृक्ष से प्राप्त होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों की जानकारी देते हुए वन एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बताई। श्री चौधरी ने पॉलीथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की । श्री चौधरी ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी भ्रमणकारी दल को कारवाई। इसके बाद भ्रमणकारी दल ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया, जहां विभिन्न शोधकर्त्ताओं ने उन्हें वानिकी से संबंधित शोध गतिविधियों की जानकारी कराई । तत्पश्चात कृषकों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित विभिन्न सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया ।

इसके बाद भ्रमणकारी दल ने संस्थान की प्रायोगिक एवं उच्च तकनीक पौधशाला का भ्रमण किया जहां श्री उमा राम चौधरी एवं नर्सरी प्रभारी श्री सादुलराम देवड़ा ने नर्सरी के विभिन्न पहलुओं की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई । भ्रमण कार्यक्रम में श्री महिपाल बिशनोई का सहयोग रहा ।

7. महाराजा अग्रसेन कृषि महाविद्यालय सूरतगढ़ के बी.एस.सी.(कृषि) के विद्यार्थियों ने ली आफरी के शोध कार्यो एवं तकनीक की जानकारी

दिनांक 24.3.2017 को महाराजा अग्रसेन कृषि महाविधालय सूरतगढ़, राजस्थान के बी॰एस॰सी॰ कृषि तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के 55 विद्यार्थियों के दल ने श्री राजेंद्र सिंह चौधरी, प्राचार्य के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का अध्ययन भ्रमण कर संस्थान की शोध गतिविधियों एवं तकनीक से संबंधित जानकारी हासिल की | भ्रमण के प्रारम्भ में विद्यार्थियों ने कृषि वानिकी एव विस्तार प्रभाग में पोस्टरो के माध्यम से प्रदर्शित विभिन्न शोध गतिविधियों से सूचनाओं का अवलोकन किया जिसमें शुष्क एवं अर्ध शुष्क क्षेत्र के तेल स्त्रोतों से संबंधित प्रजातियों से प्राप्त होने वाले तेल, वृक्ष सुधार कार्यक्रम, औषधीय पादपों इत्यादि की जानकारी प्राप्त की |

इस दल ने वन संवर्धन प्रभाग, वन संरक्षण प्रभाग, वन परिस्थितिकी प्रभाग तथा अकाष्ठ वनोपाज़ प्रभाग की प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया जहां विभिन्न शोधकर्त्ताओं ने विभिन्न शोध गतिविधियों से संबन्धित जानकारी विद्यार्थियों को कराई |

श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने विद्यार्थियों को पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान एवं संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी दी | जिसमें कृषि वानिकी एवं सिल्वी पेस्टोरल मॉडल, टिब्बा स्थिरीकरण, वर्षा जल संग्रहण इत्यादि विषय भी शामिल थे | श्री चौधरी ने विद्यार्थियों को वृक्षों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों की जानकारी देते हुए वन एवं पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बताई | श्री चौधरी ने पॉलीथीन के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव का भी जिक्र किया |तत्पश्चात विद्यार्थियों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित शोध गतिविधियों, विकसित तकनीक इत्यादि से संबंधित सूचनाओं का गहन अवलोकन किया |

इसके बाद विद्यार्थियों के दल ने संस्थान की उच्च तकनीक एंव प्रयोगिक पौधशाला का भ्रमण किया जहां श्री उमा राम चौधरी एवं नर्सरी प्रभारी श्री सादुल राम देवड़ा ने नर्सरी तकनीक एवं प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की उन्हें जानकारी करवाई | विद्यार्थियों ने नर्सरी परिसर, औषधीय जर्म-प्लाज्म बैंक का भी भ्रमण किया |भ्रमण कार्यक्रम का समन्वयन / संचालन श्री उमा राम चौधरी, भा॰व॰से॰ ने किया |

8. **केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (प. क्षे.), जयपुर द्वारा आयोजित "जन चेतना समारोह" ओरिया, आबू रोड, जिला सिरोही में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की भागीदारी**

केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (प. क्षे.), जयपुर द्वारा गाँव-ओरिया, पंचायत समिति आबू रोड, जिला - सिरोही में दिनांक 27/03/17 को आयोजित "जन चेतना समारोह" में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर से कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने भाग लिया। श्री चौधरी ने इस अवसर पर वृक्ष, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण पर संभाषण भी दिया। श्री चौधरी ने वृक्षों का परोक्ष एवं अपरोक्ष महत्व बताया। श्री चौधरी ने आफरी की अनुसंधान गतिविधियों की भी जानकारी दी। समारोह में नर्सरी में तैयार खारी जाल (*Salvadora persica*), रुद्राक्ष (*Elaeocarpus ganitrus*), शीशम (*Dalbergia sisoo*), कुमठ (*Acacia Senegal*), खेजड़ी (*Prosopis cineraria*), मीठी जाल (*Salvadora oleiodes*), चन्दन (*Santalum album*), रोहिडा (*Tecomella undulata*), गूलर (*Ficus racemosa*), नर्गुंडी (*Vitex negundo*), धोक (*Anogeissus pendula*), केर (*Capparis decidua*), सफ़ेद मूसली (*Chlorophylum borivillianum*), बेलपत्र (*Aegle marmelos*), सतावर (*Asparagus racemosus*), अड़ूसा (*Justicia adhadhota*), अश्वगंधा (*Withania somnifera*), वज्रदंती (*Barleria prionitis*), नीम (*Azadirachta indica*), अमलतास (*Cassia fistula*), गुग्गल (*Commiphora wightii*), बादाम (*Prunus dulcis*), अर्जुन (*Terminalia arjuna*), के पौधे भी प्रदर्शित किए गए। इसी तरह सोनामुखी (Cassia angustifolia) के पत्ते, पत्ता पाउडर, रतनजोत (*Jatropha curcas*) एवं नीम के तेल, शतावरी (*Asparagus racemosus*), सफ़ेद मूसली (*Chlorophylum borivillianum*), एवं अश्वगंधा (*Withania somnifera*) की जड़ें, कुमठ, सलाई गुग्गल (*Boswellia serrata*), देशी बबूल (*Acacia nilotica*) तथा धोक (*Anogeissus pendula*) के गोंद, हर्र (*Terminalia chebula*) एवं अरीठा (*Sapindus mukorossi*) के फल इत्यादि वन उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया। समारोह में सोनामुखी, रतनजोत, सागवान (*Tectona grandis*), पार्किनसोनिया (*Parkinsonia aculata*), खेजड़ी (*Prosopis cineraria*), करंज (*Pongamia pinnata*), अरडू (*Ailanthus excelsa*), नीम, शीशम, रोहिडा, चुरेल (*Holeptelia integrifolia*), बांस (*Dendrocalamus stritctus*), काला धामण (*Cenchrus setigerus*), सफ़ेद धामण (*Cenchrus ciliaris*), सुबबूल (*Leucaena leuocophloea*), कचनार (*Bahuhinia variegata*), गुलमोहर (*Delonix regia*), सफेदा संकर बीज (*Eucalyptus Hybrid)*, सोनामुखी, धोक, धावड़ा (*Anogeissus letifolia*), चन्दन (*Santalum album*), अंजन (*Hardwickia binata*), रीठा, चिरौंजी (*Buchanania lanzan*) के बीज भी प्रदर्शित किए गए। समारोह में संस्थान एवं संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों के विवरण से संबन्धित सूचना पुस्तिका एवं अन्य प्रचार प्रसार साहित्य भी वितरित किया गया।